हिन्दी

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश – (1) इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं- 'अ' और 'ब'।
(2) खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(3) खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
(4) निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
(5) दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(6) यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्न) (40 अंक)

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (1 × 5 = 5)

समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है। यदि समस्याएँ न हों, तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। ये समस्याएँ वस्तुतः जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। समस्या को सुलझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभरकर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है। पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती है कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखे व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचे। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय है – प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के मार्ग में विजय निहित रहती है। समस्त ग्रंथों और महापुरूषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उसके विमुख होना लौकिक व पारलौकिक सभी दृष्टियों से अहितकर है, मानव-धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए, उठिए, दृढ़-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़ जाएँ और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए।

(i) इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए-
(अ) जीवन एक समस्या
(ब) महानता के उपाय
(स) संघर्ष : सफलता का आधार
(द) जीवन एक संघर्ष

(ii) धर्म, दर्शन, ज्ञान आदि किस प्रेरणा से पैदा हुए हैं?
(अ) शांति की चाह से
(ब) आनंद की प्रेरणा से
(स) संघर्ष की प्रेरणा से
(द) समस्या समाधान की प्रेरणा से

(iii) लेखक का निम्न वाक्य से क्या आशय हैं –
समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय हैं।
(अ) जीवन स्वयं में एक समस्या है।
(ब) जीवन समस्या नहीं, एक संघर्ष है।
(स) जीवन में समस्याएँ तो होती हैं, उन्हें स्वीकार करना चाहिए।
(द) जीवन और समस्याएँ दोनों त्याज्य हैं।

(iv) इस अनुच्छेद का मूल स्वर है –
(अ) निराशाजनक
(ब) प्रेरणापरक
(स) चिंतापरक
(द) विश्लेषणात्मक।

(v) लेखक ने पाठकों को क्या प्रेरणा दी हैं –

(अ) समस्याओं से बचने की (ब) जीवन को जीने की

(स) संघर्ष पथ पर विजय पाने की (द) दायित्वपूर्वक काम करने की।

प्र.2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (1 × 5 = 5)

हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिन्ह है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम–से–उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी–से–अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। पुराने लोग कह गए है कि हँसों और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला–कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मो पर खीझने वाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न, मन डेमाक्रीटस 109 वर्ष तक जिया। हँसी–खुशी का नाम ही जीवन है। जो रोते है, उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है – 'जिन्दगी जिंदादिलों का नाम है, मुर्दादिल खाक जिया करते है।'

मनुष्य के शरीर के वर्णन पर एक विलायती विद्वान ने एक पुस्तक लिखी है। उसमें वह कहता है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास–से–उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनन्द एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उसमे शोक और दु:ख की दीवारों को ढहा सकते है। प्राण रक्षा के लिए सदा सब देशों में उत्तम–से–उत्तम उपाय मनुष्य के चित्त को प्रसन्न रखना है। सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनन्दरूपी मंत्र सुनाता है।

(i) एक उपयुक्त शीर्षक, दीजिए –

(अ) हँसी–एक वरदान (ब) प्रसन्नता–एक वरदान

(स) हँसी ही जीवन नहीं है (द) हँसी दुखनाशक है

(ii) हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिन्ह है – आशय स्पष्ट कीजिए।

(अ) हँसी भीतरी चीज़ है, बाहरी नहीं है (ब) हँसी बाहरी दिखावा है

(स) हँसी मन के आनंद को बाहर प्रकट करती है (द) हँसी का आनंद अंदर और बाहर दोनों जगह प्रकट होता है।

(iii) आनन्द को प्रबल इंजन क्यों कहा जाता है?

(अ) वह जीवन को गति देता है (ब) वह जीवन को ऊर्जा देता है

(स) वह जीवन में हँसी पैदा करता है (द) वह शोक और दु:ख दूर करता है।

(iv) 'प्रफुल्लित' में कौनसा प्रत्यय है?

(अ) पर (ब) प्र (स) त (द) इत

(v) सुयोग्य वैद्य रोगी के लिए क्या करता है?

(अ) मंत्र जाप करता है (ब) आनंद के उपाय सुझाता है

(स) कानों में आनन्द नाम का जाप करता है (द) दवाई रूपी आनन्द प्रदान करता है।

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्र.3 निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए –(1 × 4 = 4)

(i) बिजली–सी फुरती दिखाकर आपने बालक को गिरने से बचा लिया। रेखांकित पदबंध का भेद है।

(अ) विशेषण पदबंध (ब) क्रिया पदबंध

(स) संज्ञा पदबंध (द) सर्वनाम पदबंध

(ii) उसका तोता अत्यंत सुंदर और आज्ञाकारी है। रेखांकित पदबंध का भेद है।

(अ) विशेषण पदबंध (ब) क्रिया पदबंध (स) संज्ञा पदबंध (द) सर्वनाम पदबंध

(iii) गंदे कपड़ों वाला मजदूर चिल्लाने लगा। रेखांकित पदबंध का भेद है।

(अ) सर्वनाम पदबंध (ब) क्रिया पदबंध

(स) संज्ञा पदबंध (द) विशेषण पदबंध

(iv) बच्चा धीरे-धीरे चलता हुआ वहाँ जा पहुँचा। रेखांकित पदबंध का भेद है।

(अ) संज्ञा पदबंध (ब) सर्वनाम पदबंध (स) क्रिया पदबंध (द) क्रिया विशेषण पदबंध

(v) घोड़े मैदान में हिनहिना रहे हैं। रेखांकित पदबंध का भेद है।

(अ) संज्ञा पदबंध (ब) सर्वनाम पदबंध (स) क्रिया पदबंध (द) विशेषण पदबंध

प्र.4 निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (1 × 4 = 4)

(i) बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बर्तन था। उसमें पानी भरा हुआ था। इस वाक्य को सरल वाक्य में रूपांतरित किजिए-

(अ) बाहर बेढब-से मिट्टी के एक बर्तन में पानी भरा हुआ था।

(ब) बाहर बेढब-सा मिट्टी का एक बर्तन था और उसमें पानी भरा हुआ था।

(स) बाहर बेढब-सा मिट्टी का एक बर्तन था, जिसमें पानी भरा हुआ था।

(द) इनमें से कोई नहीं।

(ii) वह मंत्री बन गया है। उसका व्यवहार पूर्ववत है। का मिश्र वाक्य होगा-

(अ) मंत्री बन जाने पर भी उसका व्यवहार पूर्ववत है।

(ब) वह मंत्री बन गया है, परंतु उसका व्यवहार पूर्ववत है।

(स) जब वह मंत्री बन गया है तब भी उसका व्यवहार पूर्ववत है।

(द) इनमें से कोई नहीं।

(iii) जो लोग स्वावलंबी होते हैं, वे सदा सुखी रहते हैं। रचना के आधार पर किस तरह का वाक्य है?

(अ) सरल वाक्य (ब) संयुक्त वाक्य

(स) मिश्र वाक्य (द) इनमें से कोई नहीं

(iv) जैसे ही उसने मुझे देखा, वैसे ही वह खिसक गया। रचना के आधार पर किस तरह का वाक्य है?

(अ) सरल वाक्य (ब) संयुक्त वाक्य

(स) मिश्र वाक्य (द) इनमें से कोई नहीं

(v) वह बहुत गरीब है, परंतु बहुत ईमानदार भी है। रचना के आधार पर किस तरह का वाक्य है?

(अ) सरल वाक्य (ब) संयुक्त वाक्य

(स) मिश्र वाक्य (द) इनमें से कोई नहीं

प्र.5 निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1 × 4 = 4)

(i) चंद्र है शिखर पर जिसके – का समस्त पद होगा?

(अ) चंद्रशेखर

(ब) चंद्रशिखर

(स) चंद्राशिखर

(द) इनमें से कोई नहीं

(ii) **'भीमार्जुन'** में सही समास का नाम बताइए।
(अ) अव्ययीभाव समास (ब) द्वंद्व समास (स) द्विगु समास (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) **'रातोंरात'** में सही समास का नाम बताइए।
(अ) द्वंद्व समास (ब) अव्ययीभाव समास (स) संप्रदान तत्पुरूष (द) द्विगु समास

(iv) **'घुड़सवार'** में सही समास का नाम बताइए।
(अ) अधिकरण तत्पुरूष (ब) करण तत्पुरूष (स) अपादान तत्पुरूष (द) इनमें से कोई नहीं

(v) **'न्यायालय'** में सही समास का नाम बताइए।
(अ) करण तत्पुरूष (ब) संप्रदान तत्पुरूष (स) अपादान तत्पुरूष (द) नञ् तत्पुरूष

प्र.6 निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छः बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1 × 4 = 4)

(i) उससे सावधान रहना है वह तो ..... है। उपयुक्त मुहावरे से वाक्य पूरा करें।
(अ) अक्ल का दुश्मन (ब) चिकना घड़ा
(स) आस्तीन का साँप (द) चूड़ियाँ पहनना

(ii) बाट जोहना- मुहावरे का अर्थ है-
(अ) पता ना मिलना
(ब) उपाय ना मिलना
(स) प्रतीक्षा करना
(द) अवसर न मिलना

(iii) अपने शत्रु की दुर्दशा देखकर उसका..... हो गया। उपयुक्त मुहावरे से वाक्य पूरा करें।-
(अ) घी के दिए जलाना (ब) कलेजा ठंडा होना (स) बाजे बजवाना (द) रंग खेलना

(iv) 'पत्थर की लकीर' मुहावरे का अर्थ है-
(अ) उँगली उठाना (ब) दृढ़ विचार
(स) निरादर करना (द) बाल की खाल निकालना

(v) 'बगले झाँकना' मुहावरे का अर्थ होगा -
(अ) अनुभव होना (ब) आँखें घुमाना (स) निरूत्तर होना (द) कष्ट होना

(vi) 'बहुत दिनों के बाद दिखाई देना' को दर्शाने वाला मुहावरा है -
(अ) ईद का चाँद होना (ब) आँखें चार होना
(स) कलेजा ठंडा होना (द) पौ बारह होना

प्र.7 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए- (1 × 5 = 5)

गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों-से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर!
गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
हैं झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर।

1. 'झरने के झर-झर स्वर' में कवि ने क्या कल्पना की है?

(अ) मानो ये झरने पर्वत की महानता का गुणगाान कर रहे हैं (ब) मानो झरने तालियाँ बजा रहे हों

(स) मानो ये झरने पर्वत को स्नान करा रहे हों। (द) इनमें से कोई नहीं

2. पहाड़ों की छाती पर झरने कैसे प्रतीत हो रहे हैं?

(अ) वृक्षों के समान सुंदर प्रतीत हो रहे हैं (ब) विशाल नदियों के समान प्रतीत हो रहे हैं

(स) मोती की लड़ियों के समान सुंदर प्रतीत हो रहे हैं (द) इनमें से कोई नहीं

3. 'मद में नस-नस उत्तेजित कर' से क्या तात्पर्य है?

(अ) झरने मस्ती में उत्तेजित होकर गा रहे हों

(ब) झरनों की नस-नस मे मस्ती भरी है

(स) झरने ऊँची-ऊँची आवाज़ से पर्वत का गुणगान कर रहे हैं

(द) झरने के स्वर को सुनकर दर्शकों की नस-नस में उत्तेजना व मस्ती भर जाती है।

4. पहाड़ों पर उगे वृक्ष कैसे लग रहे है?

(अ) मन में उठने वाली उच्च आकांक्षाओं के समान (ब) मोती की लड़ियों के समान

(स) नदी में उठने वाली लहरों के समान (द) उपर्युक्त सभी

5. 'उच्चाकांक्षाओं से तरूवर' में कौन-सा अलंकार है?

(अ) अनुप्रास अलंकार (ब) उपमा अलंकार (स) रूपक अलंकार (द) उत्प्रेक्षा अलंकार

प्र.8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए - (1 × 2 = 2)

(i) उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती' से क्या तात्पर्य है?

(अ) उदार व्यक्ति से धरती प्रार्थना करती है (ब) कवि धरती की उदारता को प्रकट करता है

(स) उदार व्यक्ति धरती के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है (द) उदार व्यक्ति को जनकर धरती स्वयं को धन्य मानती है

(ii) आखिकार तोप का मुँह एक दिन बंद क्यों हो जाता है? (भावार्थ क्या है?)

(अ) क्योंकि तोप कुछ समय बाद पुरानी हो जाती है

(ब) क्योंकि तोप कुछ समय बाद खराब हो जाती है

(स) एक न एक दिन अत्याचारी को अपना अत्याचार बंद करना पड़ता है।

(द) क्योंकि तोप प्रयोग करने योग्य नहीं रहती है

प्र.9 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए- (1 × 5 = 5)

अभिनय के दृष्टिकोण से 'तीसरी कसम' राजकपूर की जिंदगी की सबसे हसीन फिल्म है। राज कपूर जिन्हें समीक्षक और कला-मर्मज्ञ आँखों से बात करने वाला कलाकार मानते हैं, 'तीसरी कसम' में मासूमियत के चरमोत्कर्ष को छूते हैं। अभिनेता राज कपूर जितनी ताकत के साथ 'तीसरी कसम' में मौजूद है, उतना 'जागते रहो में भी नहीं। जागते रहो' में राजकपूर के अभिनय को बहुत सराहा गया था, लेकिन तीसरी कसम वह फिल्म है जिसमें राज कपूर अभिनय नहीं करता। वह हीरामन के साथ एकाकार हो गया है। खालिस देहाती भुच्च गाड़ीवान जो सिर्फ दिल की जुबान समझता है, दिमाग की नहीं। जिसके लिए मोहब्बत के सिवा किसी दूसरी चीज़ का कोई अर्थ नहीं। बहुत बड़ी बात यह कि 'तीसरी कसम' राज कपूर के अभिनय-जीवन का वह मुकाम है, जब वह एशिया के सबसे बड़े शोमैन के रूप में स्थापित हो चुके थे। उनका अपना व्यक्तित्व एक किंवदंती बन चुका था। लेकिन 'तीसरी कसम' में वह महिमामय व्यक्तित्त्व पूरी तरह हीरामन की आत्मा में उतर गया है।

1. 'तीसरी कसम' राज कपूर की जिंदगी की सबसे हसीन फिल्म किस दृष्टि से है?

(अ) पात्र एवं चरित्र की दृष्टि से (ब) संवाद की दृष्टि से

(स) संगीत की दृष्टि से (द) अभिनय की दृष्टि से

2. 'तीसरी कसम' में मासूमियत के चरमोत्कर्ष को कौन छूता है?

(अ) लेखक (ब) राज कपूर

(स) नायिका (द) जयकिशन

3. किस फिल्म में राज कपूर के अभिनय को बहुत सराहा गया था?

(अ) तीसरी कसम (ब) संगम

(स) जागते रहो (द) मेरा नाम जोकर

4. हीरामन गाड़ीवान की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है?

(अ) वह दिल की जुबान समझता है।

(ब) मोहब्बत के सिवा किसी दूसरी चीज का अर्थ नहीं समझता

(स) केवल गाड़ी चलाना जानता है।

(द) (1) और (2) दोनों

5. 'तीसरी कसम' फिल्म में काम करने से पहले राज कपूर किस रूप में स्थापित हो चुके थे?

(अ) किंवदंती के रूप में (ब) एशिया के सबसे बड़े शोमैन के रूप में

(स) एशिया के सबसे बड़े अमीर व्यक्ति के रूप में (द) फिल्म इंडस्ट्री के सितारे के रूप में

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए- **(1 × 2 = 2)**

(i) **चाय पीने की विधि में लेखक को कौन-सी बात मुख्य लगी?**

(अ) चाय परोसने का अनोखा तरीका होना

(ब) साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना

(स) कम लोगों का ही प्रवेश होना

(द) शांति की विशेष व्यवस्था होना

(ii) **समुद्र के सिमटते जाने का क्या कारण है?**

(अ) पानी की कमी होना (ब)समुद्र के किनारे बिल्डरों द्वारा नई इमारतों का निर्माण करना

(स) समुद्र के किनारों को पानी न मिल पाना (द) समुद्र के किनारे जहाज खड़े होना

खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न) (40 अंक)

प्र.11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- **(3 × 2 = 6)**

(i) बड़े भाई की डाँट-फटकार अगर न मिलती, तो क्या छोटा भाई कक्षा में अव्वल आता? अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ii) आज का हिंदी सिनेमा राज कपूर के दौर वाले हिंदी सिनेमा से किन अर्थों में भिन्न है?

(iii) पाठ के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले लोग अब कम मिलते है।

प्र.12 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- (3 × 2 = 6)

(i) मनुष्य अपना जीवन किस प्रकार सार्थक कर सकता है? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर बताइए।

(ii) सीमा पर भारतीय सैनिकों के द्वारा सहर्ष स्वीकारी जा रही कठिन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए और प्रतिपादित कीजिए कि 'कर चले हम फिदा' गीत सैनिकों के हृदय की आवाज़ है।

(iii) 'आत्मत्राण' प्रार्थना अन्य प्रार्थना गीतों से भिन्न है? कैसे? सिद्ध कीजिए।

प्र.13 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- (3 × 2 = 6)

(i) सभी रिश्तों की बुनियाद प्रेम न होकर धन-दौलत है। इस कथन की पुष्टि 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर कीजिए।

(ii) विद्यालय की कौन-सी गतिविधियाँ बच्चों को विद्यालय की ओर आकृष्ट करती है और कौन-सी बातें दूर करती है? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) एक ही कक्षा में समझदार छात्र के दो बार फेल हो जाने से उसकी मानसिकता पर क्या प्रभाव पड़ता है? टोपी की आपबीती किन जीवन-मूल्यों की कमी की और संकेत करती है?

प्र.14 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5 × 1 = 5)

(i) **ग्लोबल वार्मिंग**

संकेत बिन्दु- * वैज्ञानिक उन्नति से लाभ और हानि * दुष्परिणाम * बचाव के उपाय

(ii) **भारत में बेरोजगारी: स्वरूप और समाधान**

संकेत बिन्दु- * बेरोजगारी की समस्या, बेरोजगारी के कारण, उपाय।

(iii) **बढ़ते उद्योग सिकुड़ते वन**

संकेत बिन्दु- * पेड़-पौधे और मनुष्य का गहरा संबंध,
* पेड़-पौधों से प्राप्त वस्तुएँ,
* वनों की कटाई के कारण, समस्याएँ, प्रदूषण पर रोक।

प्र.15 अपने राज्य के परिवहन सचिव को एक पत्र लिखिए, जिसमें आपकी बस्ती तक नया बस मार्ग आरंभ कराने का अनुरोध हो। (5 × 1 = 5)

अथवा

भारतीय कृषकों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए राज्य के कृषि मंत्री को 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्र.16 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए- (4 × 1 = 4)

(i) आपके विद्यालय में एक बटुआ मिला है, जिसमें कुछ रुपयों के साथ कुछ जरूरी कार्ड भी हैं। छात्रों से इसके मालिक की पूछताछ और वापस पाने की प्रक्रिया बताते हुए एक सूचना तैयार कीजिए।

अथवा

(ii) विद्यालय के सचिव की ओर से 'समय-प्रबंधन' विषय पर आयोजित होने वाली कार्यशाला के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

प्र.17 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए- (3 × 1 = 3)

(i) साबुन बनाने वाली एक कंपनी की ओर से अपने उत्पाद के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

(ii) विश्व जल दिवस पर समाज को जागरूकता प्रदान करने हेतु लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र.18 अंग्रेज़ी शिक्षक न होने से हो रही कठिनाई की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रधानाचार्य को ई-मेल लेखन कीजिए।(5 × 1 = 5)

अथवा

''लालच बुरी बला है'' उक्ति को आधार बनाकर मौलिक कथा लिखिए।